डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
विकलांग जन विकास विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार
Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow
Development of Persons with Disabilities Department
Government of Uttar Pradesh

प्रेस नोट

शुरू होंगे एमएएसएलपी एवं एम.फिल कोर्स

विश्वविद्यालय अगले सत्र 2017–18 से दो नए कोर्स शुरू करने जा रहा है। ये पैरा मेडिकल कोर्स हैं– **मास्टर ऑफ आडियोलॉजी एण्ड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (एमएएसएलपी) एवं एम फिल इन क्लीनिकल साइकोलॉजी।** इन कोर्सेज को शुरू करने के बारे में आज विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. (डॉ.) निशीथ राय एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव श्री एस के श्रीवास्तव के बीच विस्तार से चर्चा हुई। यह तय हुआ कि आगामी सत्र से ये पाठ्यक्रम शुरू किये जांय। इन दोनों कोर्सेज के शुरू हो जाने से दिव्यांगों के पुनर्वास में बेहद मदद मिलेगी। साथ ही इनमें पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थियों के लिये रोजगार के बेहतर मौके होंगे। बताते चलें कि बीएएसएलपी कोर्स बीते सत्र में शुरू किया गया था। अब अगले सत्र से विद्यार्थी इसमें मास्टर स्तर की पढ़ाई कर सकेंगे। एमएएसएलपी कोर्स दो वर्ष का होगा। इसमें क्लीनिकल लिंग्विस्टिक्स, साइको फिजिक्स, स्पीच एण्ड लैग्वेज प्रोसेसिंग एवं एडल्ट लैंग्वेज डिसआर्डर्स समेत अन्य विषयों की पढ़ाई के साथ प्रैक्टिकल्स पर भी फोकस होगा। वहीं, विद्यार्थियों को क्लीनिकल साइकोलॉजी में एम. फिल करने का भी मौका मिलेगा। यह एम. फिल कोर्स दो वर्ष का होगा। ऐसे में जब जीवन शैली एवं आदतों में बदलाव तथा बढ़ते तनाव से मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं क्लीनिकल सायकोलॉजी का पठन–पाठन काफी अहम हो गया है। इसमें मानसिक बीमारी, असामान्य व्यवहार एवं मनोरोग के निदान एवं उपचार की बारीकियों का मनोवैज्ञानिक नजरिये से अध्ययन किया जायेगा। इस तरह क्लीनिकल साइकोलॉजी के सैद्धान्तिक पहलुओं के साथ विद्यार्थी को इसकी व्यावहारिक बारीकियों से रूबरू कराया जायेगा।

02 सितम्बर, 2016

(प्रो. (डॉ.) ए.पी. तिवारी)
मीडिया प्रवक्ता एवं
कुलपति के शैक्षणिक सलाहकार